<table>
<thead>
<tr>
<th>प्रथम अध्याय : समस्या एवं उसकी पृष्ठभूमि</th>
<th>1 – 47</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>प्रस्तावना</td>
<td>2</td>
</tr>
<tr>
<td>समितियों द्वारा चलाये जा रहे विद्यालय</td>
<td>13</td>
</tr>
<tr>
<td>मिशनरियों द्वारा चलाए जाने वाले विद्यालय</td>
<td>13</td>
</tr>
<tr>
<td>फैक्टरियों एवं कंपनी द्वारा चलाए जाने वाले विद्यालय</td>
<td>14</td>
</tr>
<tr>
<td>धार्मिक संस्थाओं द्वारा चलाये जाने वाले विद्यालय</td>
<td>14</td>
</tr>
<tr>
<td>शिशु मंदिर</td>
<td>14</td>
</tr>
<tr>
<td>आपरेशन ब्लैक बोर्ड</td>
<td>17</td>
</tr>
<tr>
<td>सबके लिये शिक्षा</td>
<td>23</td>
</tr>
<tr>
<td>अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व</td>
<td>26</td>
</tr>
<tr>
<td>समस्या अभिकथन</td>
<td>30</td>
</tr>
<tr>
<td>अध्ययन का उद्देश्य :</td>
<td>31</td>
</tr>
<tr>
<td>परिसीमन :</td>
<td>32</td>
</tr>
<tr>
<td>समस्याओं का स्पष्टीकरण</td>
<td>33</td>
</tr>
<tr>
<td>प्राथमिक शिक्षा</td>
<td>34</td>
</tr>
<tr>
<td>गैर-सरकारी संगठनों से तात्पर्य</td>
<td>38</td>
</tr>
<tr>
<td>चयनित क्षेत्रों की विशेषताएँ</td>
<td>39</td>
</tr>
</tbody>
</table>

| द्वितीय अध्याय : सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण | 48–81 |

(vi)
तृतीय अध्याय : अध्ययन की योजना एवं क्रिया विधि  82 – 107

➤ सर्वेक्षण विधि  84
➤ सर्वेक्षण अनुसंधान की आवश्यकता  88
➤ सर्वेक्षण अनुसंधान के उद्देश्य  88
➤ सर्वेक्षण अनुसंधान की विशेषताएँ  89
➤ सर्वेक्षण अनुसंधान की शैक्षिक क्षेत्र में अनुमुखता  90
➤ न्यायार्थ  91
➤ उपकरण  101
➤ निर्माण प्रक्रिया  102
➤ प्राथमिक परीक्षण  102
➤ उपकरणों का विवरण  103
➤ प्रदर्शन का संग्रह  106
➤ प्रमुख संख्याकृति  106

चतुर्थ अध्याय : प्रदर्शन का विवरण एवं व्याख्या  108 – 171

➤ छात्रों का प्रवेश (नामांकन) की स्थिति  109
➤ प्राथमिक शिक्षा के उद्देश्यों की स्थिति  118
➤ पाद्यक्रम विषयों के अध्ययन पर बल की स्थिति  127
➤ कविता शिक्षा अधिगम प्रक्रिया  132

(vii)
<table>
<thead>
<tr>
<th>पाठ</th>
<th>विषय</th>
<th>पृष्ठ</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>141</td>
<td>विद्यालयों के भवन, साज-सज्जा, एवं शैक्षिक उपकरणों की स्थिति</td>
<td>141</td>
</tr>
<tr>
<td>150</td>
<td>अध्यापकों की विशेषताएं</td>
<td>150</td>
</tr>
<tr>
<td>161</td>
<td>प्राथमिक विद्यालयों में अनुशासन स्थापना</td>
<td>161</td>
</tr>
<tr>
<td>165</td>
<td>उपलब्धि का मूल्यांकन</td>
<td>165</td>
</tr>
<tr>
<td>168</td>
<td>प्राथमिक शिक्षा का प्रवर्धन</td>
<td>168</td>
</tr>
<tr>
<td>172</td>
<td>पंचव अध्याय: निष्ठर्ष, सुझाव एवं शैक्षिक निहितार्थ</td>
<td>172-199</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>निष्ठर्ष</td>
<td>173</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>शैक्षिक निहितार्थ</td>
<td>189</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>भावी शोध हेतु सुझाव</td>
<td>194</td>
</tr>
<tr>
<td>200</td>
<td>परिलिप्त I</td>
<td>200-208</td>
</tr>
<tr>
<td>209</td>
<td>संदर्भ अन्वय सूची</td>
<td>209-215</td>
</tr>
</tbody>
</table>

(viii)